B.ed 1st year paper-C-2
unit-2

जामिया मिलिया इस्लामियाँ विश्वविद्यालय
(Jamia milia Islamia university)

भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन में लगभग सभी सम्प्रदाय, धर्म, भाषा व प्रांत के लोगों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। हिंदुओं की ही भाँति मुसलमानों ने भी राष्ट्रीय आंदोलन में भाग लिया तथा राष्ट्रीयता के प्रयास के लिए शिक्षा संस्थाएँ स्थापित की। जामिया मिलिया इस्लामियाँ की स्थापना मौलाना मोहम्मद अली ने 1920 ई० में अलीगढ़ में की थी, परन्तु प्रशासनिक दृष्टिकोण से सन् 1925 में यह संस्था दिल्ली में स्थान्तरित कर दी गई। यह एक पूर्णतया आत्मनिर्भर संस्था है, जो सभी धर्म, भाषा एवं सम्प्रदाय से संबंधित छात्रों के लिए है। इसकी स्थापना इस्लामी संस्कृति का विकास करने के उद्देश्य से की गई थी, किन्तु यह स्वतंत्र रूप से राष्ट्रीय महत्व की कार्य करती है।

श्री मोहम्मद अली इस संस्था के प्रथम प्रधानाचार्य थे। 1920-22 ई० में जब खिलाफत आन्दोलन खत्म हो गया ~~था~~ तो जामिया मिलिया इस्लामियाँ की स्थिति अत्यंत खराब हो गई। फलतः 1925 ई० में इसे दिल्ली में स्थानान्तरित कर दिया गया।

स्थापना के उद्देश्य

जामिया मिलिया इस्लामियाँ के उद्देश्य निम्नलिखित थे।

2.

1. अपनी सांस्कृतिक परम्परा के आधार पर नवयुवकों की शिक्षा व्यवस्था करना किन्तु दूसरी संस्कृतियों में भी जो सत्य और लाभदायक है उसे स्वीकार करना।
2. छात्रों के हृदय में सेवा सहनशीलता आत्म - संयम और आत्म - सम्मान के भाव समाहित करना।
3. छात्रों के विकासशील मन की बौद्धिक और भावात्मक आवश्यकताओं की पूर्ति करना।
4. यह संस्था छात्रों में राष्ट्रीयता व आदर्श नागरिक बनने हेतु उच्च मूल्यों की शिक्षा प्रदान करती है।

- जामिया मिलिया इस्लामियाँ के विभाग

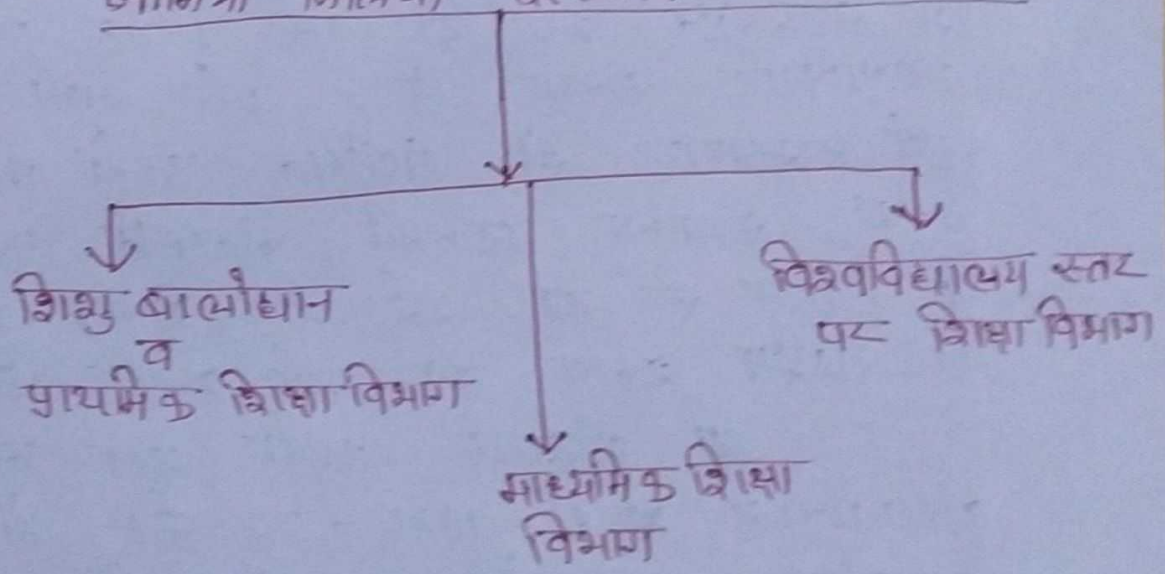

- प्राथमिक शिक्षा विभाग :-

कार्यकाल - 6 वर्ष
बेसिक शिक्षा - भारतीय कला / शिल्प
बाल प्रधान व क्रिया प्रधान शिक्षा व्यवस्था
माध्यम - मातृभाषा

- माध्यमिक शिक्षा विभाग :-
  - कार्यकाल - 6 वर्ष
  - बेसिक शिक्षा - शिल्प प्रधान
  - व्यक्तित्व का सर्वांगीण विकास
  - डाल्टन योजना पद्धति द्वारा शिक्षा
  - विषय - मातृभाषा, अंग्रेजी, भारतीय भाषा, गणित, समाज, कला, जीवविज्ञान, अर्थशास्त्र, नागरिक शास्त्र।

- विश्वविद्यालय स्तर पर शिक्षा विभाग :-
  - कार्यकाल - 2 वर्ष
  - विषय - इस्लामिक विज्ञान, सामाजिक विज्ञान व अंग्रेजी की शिक्षा।

* इसके अतिरिक्त अन्य आवासीय विभाग *

1. आवासीय विश्वविद्यालय - इसमें कला वर्ग और सामाजिक विज्ञानों की शिक्षा का उच्चस्तरीय प्रबन्ध, अरबी मदरसा के आलिम - फाजिलों को देश-भाषा और सामाजिक विज्ञानों के लिए विशेष प्रबन्ध। इसमें एक ~~विशेष~~ विशाल पुस्तकालय भी है, जिसमें लगभग 25000 बहुमूल्य पुस्तकें हैं।
2. आवासीय हाईस्कूल - आधुनिक तकनीक से शिक्षा देने की व्यवस्था, कला एवं उद्योग-धंधों की शिक्षा पर अधिक बल दिया जाता है।
3. आवासीय प्राथमिक विद्यालय - इसमें प्रोजेक्ट विधि से शिक्षा देने की व्यवस्था है।

इस स्कूल में एक बाग, एक बैंक तथा एक सरकारी दुकान है, जिसका प्रबंध बच्चे स्वयं करते हैं।

छात्र संख्या — 1937 में यहाँ भारत एवं एशिया के विभिन्न देशों के लगभग 100 छात्र इसमें अध्ययनरत थे।

आय के स्त्रोत — इसके पास अपना कोई स्थायी कोष नहीं है, मंत्रालय सरकार एवं दिल्ली म्यूनिसिपैलिटी भी इसका आर्थिक सहायता करती है। इस संस्था के संस्थापक मौलाना मोहम्मद अली ने कहा था कि

"इस संस्था का सबसे बड़ा धन इसका उत्साह और बलिदान होगा और जनता की इसके प्रति सहानुभूति और श्रद्धा।"

तब से यह संस्था सतत प्रगति की ओर अग्रसर है। इस प्रकार मुस्लिम सम्प्रदाय द्वारा संचालित राष्ट्रवादी संस्थाओं में जामिया मिलिया इस्लामिया एक राष्ट्रीय ख्याति प्राप्त संस्था है।